डॉ. टिबेरियस राटा, पुराने नियम का धर्मशास्त्र, सत्र 7, पुनर्स्थापक के रूप में परमेश्वर

© 2024 टिबेरियस राटा और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. टिबेरियस रत्ता पुराने नियम के धर्मशास्त्र पर अपनी शिक्षा दे रहे हैं। यह सत्र 7 है, पुनर्स्थापक के रूप में परमेश्वर।

आज, हम पुनर्स्थापक के रूप में परमेश्वर के बारे में बात करने जा रहे हैं। परमेश्वर पाप को गंभीरता से लेता है और अपने लोगों से कहता है, यदि तुम पश्चाताप नहीं करते, तो मैं तुम्हें निर्वासन में भेज दूँगा। मैं तुमसे वह भूमि छीन लूँगा जिसका मैंने तुमसे वादा किया था। और भविष्यवक्ता इस निर्वासन के कारण के बारे में बहुत कुछ बोलते हैं।

दरअसल, जब हम भविष्यवक्ताओं को पढ़ते हैं, तो ये तीन विषय बार-बार आते रहते हैं। पाप, न्याय और पुनर्स्थापना। इसलिए इस्राएल के बच्चों ने पाप किया है, और परमेश्वर भविष्यवक्ताओं को भेजकर उनसे कहता है, प्रभु कहता है, तुमने पाप किया है।

और क्योंकि तुमने पाप किया है, इसलिए परमेश्वर कहता है, मैं तुम्हारा न्याय करने जा रहा हूँ। और इन न्यायों में से एक था निर्वासन। वह कहता है कि मैं तुम्हें निर्वासन में ले जा रहा हूँ।

और परमेश्वर ने ठीक वैसा ही किया। उत्तरी राज्य को असीरियन निर्वासन में और दक्षिणी राज्य यहूदा को बेबीलोन निर्वासन में। लेकिन जब आप भविष्यवक्ताओं को पढ़ते हैं, तो आपको अंत तक पढ़ना होगा क्योंकि इसमें पुनर्स्थापना की भाषा भी है।

भगवान वादा करते हैं और कहते हैं, मैं तुम्हें वापस लाऊंगा। मैं तुम्हें वापस लाऊंगा। बहुत से लोग भविष्यवक्ताओं को पढ़ना बंद कर देते हैं क्योंकि कभी-कभी यह बहुत उबाऊ और दोहराव वाला होता है।

पाप, न्याय, पाप, न्याय। लेकिन आपको अंत तक पढ़ना होगा, क्योंकि इसमें पुनर्स्थापना की भाषा है। परमेश्वर हमेशा वादा करता है कि वह अपने लोगों को वापस लाएगा और पुनर्स्थापना होगी।

इसलिए, जो परमेश्वर न्याय करता है, वही परमेश्वर पुनर्स्थापित भी करता है। पुनर्स्थापना की सरल अंग्रेजी परिभाषा है किसी पुरानी स्थिति या अवस्था में वापस लाना। लेकिन जब हम बाइबल आधारित पुनर्स्थापना की बात करते हैं, तो हम निर्वासन का अनुभव करने के बाद परमेश्वर के लोगों के भाग्य के नवीनीकरण के बारे में बात कर रहे होते हैं।

और फिर, हमें यह ध्यान में रखना होगा कि उत्तरी और दक्षिणी दोनों राज्य निर्वासन में चले गए थे। जब वे जरुब्बाबेल, एज्रा और नहेम्याह के नेतृत्व में वापस आए, तो हमने देखा कि सभी जनजातियों के लोग वापस आ गए। यह एक संपूर्ण, संपूर्ण बहाली थी।

तो, पुनर्स्थापना का वादा यह है कि परमेश्वर के लोग सभी भविष्यवक्ताओं में मौजूद हैं। तो, आइए इसे धीरे-धीरे, कालानुक्रमिक रूप से देखें। उदाहरण के लिए, फिर से, कुछ विद्वान योएल की तिथि पर बहस करते हैं; कुछ इसे 9वीं शताब्दी में मानते हैं, और कुछ शायद बाद में।

योएल ने वादा किया कि हम जहाँ भी उतरेंगे, परमेश्वर योएल के माध्यम से निर्वासन से वापसी का वादा करता है। क्योंकि देखो, उन दिनों और उस समय जब मैं यहूदा और यरूशलेम के भाग्य को बहाल करूँगा, मैं सभी राष्ट्रों को इकट्ठा करूँगा और उन्हें यहोशापात की घाटी में ले जाऊँगा। तब मैं अपने लोगों और अपनी विरासत इस्राएल की ओर से उनके पास न्याय के लिए जाऊँगा, जिन्हें उन्होंने राष्ट्रों में बिखेर दिया है और उन्होंने मेरी भूमि को विभाजित कर दिया है।

इसलिए, परमेश्वर भूमि की बहाली का वादा करता है। पुस्तक के अंत में, 8वीं शताब्दी में, आमोस के माध्यम से, मैं अपने लोगों इस्राएल की बंदी को बहाल करूँगा, और वे बर्बाद शहरों का पुनर्निर्माण करेंगे और उनमें रहेंगे। वे अंगूर के बाग भी लगाएँगे, उनकी शराब पीएँगे, बगीचे बनाएँगे और उनके फल खाएँगे।

विचार यह है कि पुनर्स्थापना पूरी हो जाएगी। आमोस, होशे और यहूदा के समकालीन, जब मैं अपने लोगों के भाग्य को बहाल करता हूँ, तो तुम्हारे लिए एक फसल नियुक्त की जाती है। यशायाह, 8वीं शताब्दी के भविष्यवक्ता, एक छोटी सी बात है कि तुम याकूब के गोत्रों को बढ़ाने और इस्राएल के संरक्षित लोगों को बहाल करने के लिए मेरे सेवक बनो।

मैं तुम्हें राष्ट्रों के लिए एक ज्योति भी बनाऊंगा ताकि मेरा उद्धार पृथ्वी के छोर तक पहुँच सके। हर सदी में, परमेश्वर भविष्यद्वक्ताओं को भेजता है और कहता है, मैं तुम्हारा न्याय करूँगा, लेकिन मैं तुम्हें बहाल भी करूँगा। यिर्मयाह, यहोवा के जीवन की शपथ, इस्राएल के पुत्रों को उत्तर की भूमि से और उन सभी देशों से लाया, जहाँ उसने उन्हें निर्वासित किया था, क्योंकि मैं उन्हें उनकी अपनी भूमि पर बहाल करूँगा, जिसे मैंने उनके पूर्वजों को दिया था।

वैसे, यिर्मयाह 7वीं और 6वीं शताब्दी दोनों को कवर करता है क्योंकि वह वास्तव में 587 में यरूशलेम के विनाश का गवाह है। वैसे, यिर्मयाह में, परमेश्वर न्याय की बहुत सारी भाषा का उपयोग करता है, लेकिन पुनर्स्थापना की भी बहुत सारी भाषा है। अध्याय 27, श्लोक 22, उन्हें बेबीलोन ले जाया जाएगा, और वे उस दिन तक वहाँ रहेंगे जब तक मैं उनसे मिलने न आऊँ, यहोवा की यह वाणी है, फिर मैं उन्हें वापस लाऊँगा और उन्हें उस स्थान पर पुनर्स्थापित करूँगा।

इसलिए, यिर्मयाह में, परमेश्वर ने न केवल कहा कि वे निर्वासन में जा रहे थे, बल्कि भविष्यवाणी की कि निर्वासन 70 साल तक चलेगा। यिर्मयाह 29 पद 14, मैं तुम्हारे पास आऊंगा, यहोवा की वाणी है, मैं तुम्हारे भाग्य को बहाल करूंगा, और मैं तुम्हें सभी राष्ट्रों से, उन सभी स्थानों से इकट्ठा करूंगा जहां मैंने तुम्हें भगा दिया है, यहोवा की वाणी है, और मैं तुम्हें उस स्थान पर वापस लाऊंगा जहां से मैंने तुम्हें भेजा था। यह वास्तव में यिर्मयाह में है, यिर्मयाह 29 और 30 से 33 के बाद, हमारे पास एक पूरी किताब है जिसे सांत्वना की पुस्तक कहा जाता है, जिसमें परमेश्वर नई वाचा देने का वादा करता है।

और इसका एक हिस्सा बहाली की भाषा भी है। अध्याय 32 में, लोग पैसे के लिए खेत खरीदेंगे, दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करेंगे और मुहर लगाएंगे, और बिन्यामीन की भूमि में, यरूशलेम के आसपास के इलाकों में, यहूदा के शहरों में, पहाड़ी इलाकों के शहरों में, निचले इलाकों के शहरों में, नेगेव के शहरों में गवाहों को बुलाएंगे, क्योंकि मैं उनके भाग्य को बहाल करूंगा, यहोवा की घोषणा है। तो, यह उस सांत्वना की पुस्तक या सांत्वना की पुस्तक का हिस्सा है, जहाँ भले ही यिर्मयाह पाप और न्याय के बारे में बहुत कुछ बोलता है, लेकिन इसमें बहाली की भाषा भी है।

6वीं सदी के भविष्यवक्ता ईजेकील की ओर तेजी से आगे बढ़ते हुए, इसलिए, प्रभु परमेश्वर इस प्रकार कहते हैं, अब मैं याकूब के भाग्य को बहाल करूंगा और इस्राएल के पूरे घराने पर दया करूंगा, और मैं अपने भले के लिए, अपने पवित्र नाम के लिए उत्साही रहूंगा। तो आपके पास निर्वासन से पहले के भविष्यवक्ता हैं, आपके पास निर्वासन के भविष्यवक्ता हैं, और फिर आपके पास निर्वासन के बाद के भविष्यवक्ता हैं। लेकिन निर्वासन के बाद क्या होता है? आपके पास एज्रा और नहेम्याह हैं।

और एज्रा और नहेम्याह में ही हमें वास्तविक पुनर्स्थापना का वर्णन मिलता है। एज्रा की पुस्तक में क्या हुआ, इसका भी वर्णन मिलता है। लेकिन अब, एक संक्षिप्त क्षण के लिए, हमारे प्रभु परमेश्वर ने हमें बचाए हुए लोगों को छोड़ने के लिए अनुग्रह दिखाया है।

और यहाँ, हमें अवशेष धर्मशास्त्र का विचार मिलता है। फिर से, हर कोई निर्वासन में नहीं गया, लेकिन हर कोई वापस नहीं आया। लेकिन परमेश्वर एक वफादार अवशेष के बारे में बात करता है जो वापस आएगा।

इसलिए, भविष्यवक्ताओं में अवशेष धर्मशास्त्र बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए, एक बचे हुए अवशेष, हमें अपने पवित्र स्थान में एक खूंटी दे ताकि हमारा परमेश्वर हमारी आँखों को रोशन करे और हमें हमारे बंधन में थोड़ा सा पुनरुद्धार प्रदान करे। क्योंकि हम दास हैं, फिर भी हमारे दासत्व में हमारे परमेश्वर ने हमें नहीं छोड़ा, बल्कि फारस के राजाओं की दृष्टि में हमारे प्रति प्रेमपूर्ण कृपा की, ताकि हमें पुनरुद्धार प्रदान करे, हमारे परमेश्वर के भवन को खड़ा करे, इसके खंडहरों को बहाल करे, और हमें यहूदा और यरूशलेम में एक दीवार दे।

एज्रा और नहेम्याह की पुस्तकों में पुनर्स्थापना के सभी वादे पूरे हुए हैं। अब जैसे निर्वासन में तीन निर्वासन हुए थे, निर्वासन से तीन वापसी भी हैं। तीन निर्वासन हैं: 605 ईसा पूर्व, 597 ईसा पूर्व, और 587 ईसा पूर्व उसी तरह, आपके पास अलग-अलग नेताओं के अधीन निर्वासन से तीन वापसी हैं।

तो एज्रा 1-6 में वर्णित पहला यह है कि लगभग 50,000 यहूदी शेशबज़ार, ज़रुब्बाबेल और येशुआ के नेतृत्व में वापस आ रहे हैं। दूसरा एज्रा 7-10 में वर्णित है: एज्रा के नेतृत्व में लगभग 2,000 इस्राएली वापस आ रहे हैं। फिर, नहेमायाह के नेतृत्व में तीसरा वापस आ रहा है, और एक अज्ञात संख्या है।

इन तीनों का वर्णन एज्रा और नहेम्याह की पुस्तकों में फिर से किया गया है। एज्रा और नहेम्याह दोनों ही महान नेता साबित हुए जिन्हें परमेश्वर ने इस समय के लिए खड़ा किया था। अब, एज्रा एक आध्यात्मिक नेता से ज़्यादा है; वह व्यवस्था का शिक्षक है।

नहेमायाह कभी-कभी एक राजनीतिक व्यक्ति की तरह होता है; वह एक गवर्नर है, लेकिन वह एक नेता है। और कभी-कभी, वह एक हाथ में वचन और दूसरे हाथ में तलवार लेकर लड़ता है, जिससे हम सीखते हैं कि कभी-कभी एक नेता को योजना बनाने और प्रार्थना करने की आवश्यकता होती है। और वैसे, नहेमायाह प्रार्थना करने वाला व्यक्ति है।

नहेमायाह की पुस्तक में उनकी बहुत सी प्रार्थनाएँ दर्ज हैं, लेकिन कभी-कभी हम सीखते हैं कि जब हमें प्रार्थना करनी होती है, तो कभी-कभी हमें अपने घुटनों से उठकर कुछ करना होता है। इसलिए , जैसा कि किसी ने कहा, धर्मपरायणता तैयारी का विकल्प नहीं है। और न ही तैयारी धर्मपरायणता का विकल्प है।

आपको दोनों की ज़रूरत है। और नहेम्याह इस महान नेता साबित होते हैं, और एज्रा और नहेम्याह दोनों ही इस बहाली की प्रक्रिया में महान नेता हैं। नहेम्याह 3 में, आपके पास दीवार का पुनर्निर्माण है, और कभी-कभी दीवार को रोका जा रहा है, और निर्माण को संबल्लत, तोबियाह और गेर्शोम अरब के कारण रोका जा रहा है।

आपको बहुत विरोध का सामना करना पड़ता है। और हम यहाँ सीखते हैं कि कभी-कभी, जब हम कुछ सही करते हैं, तो हमें विरोध का सामना करना पड़ता है। याद रखें कि विरोध का मतलब यह नहीं है कि आप कुछ गलत कर रहे हैं।

कभी-कभी विरोध इस बात का संकेत होता है कि आप कुछ सही कर रहे हैं। और हम इसे एज्रा और नहेम्याह दोनों में देखते हैं क्योंकि उन्हें बहुत विरोध का सामना करना पड़ता है। और लोग नहेम्याह के खिलाफ़ षड्यंत्र रचते हैं।

वे उसके खिलाफ़ बुरा-भला कहते हैं। वे झूठ बोलते हैं। फिर भी नहेमायाह दृढ़ रहता है।

अध्याय 6 में हमें बताया गया है कि दीवार एलुल पर्वत के 25वें दिन 52 दिनों में बनकर तैयार हो गई थी, जो कि निश्चित रूप से एक चमत्कारी रिकॉर्ड है। और जब हमारे सभी शत्रुओं ने इसके बारे में सुना, तो हमारे आस-पास के सभी राष्ट्र डर गए और अपने आप में बहुत गर्व महसूस करने लगे, क्योंकि उन्होंने महसूस किया कि यह कार्य हमारे परमेश्वर की मदद से पूरा हुआ है। यहाँ तक कि अविश्वासी भी देख रहे हैं कि क्या हो रहा है और जानते हैं कि परमेश्वर काम कर रहा है।

फिर, नहेमायाह में, आपके पास लौटने वालों की सूची है, और वे अंत में बूथ का पर्व मनाते हैं। वे फसह मनाते हैं और फिर मंदिर की दीवार को समर्पित करते हैं। अब, वे निर्वासन से वापस आ गए हैं।

क्या इसका मतलब यह है कि वे हमेशा खुशी से रहे? नहीं, फिर से, वे अपने दिल की अच्छाई के कारण वापस नहीं लौटे। वे इसलिए नहीं लौटे क्योंकि उन्होंने पवित्र जीवन जिया। वे इसलिए लौटे क्योंकि परमेश्वर ने वादा किया था कि वे वापस आएंगे।

तो, हम देखते हैं कि परमेश्वर विश्वासयोग्य है। और परमेश्वर सिर्फ़ वादे करने वाला ही नहीं है। वह वादे पूरे करने वाला भी है।

अब, जब हम नए नियम में आते हैं, तो हम लूका और प्रेरितों के काम में इस्राएल की पुनर्स्थापना की इस भावना को देखते हैं। सवाल यह है कि क्या पुनर्स्थापना पूरी तरह से पूरी हो गई थी? क्योंकि जब यीशु आराधनालय में लूका अध्याय 4 से पढ़ते हैं, तो याद रखें कि जब वे नासरत के आराधनालय में होते हैं, तो वे उनके पास पुस्तक ला रहे होते हैं। यीशु यशायाह 61 से उद्धृत करते हैं, प्रभु की आत्मा मुझ पर है क्योंकि उसने मुझे गरीबों को खुशखबरी सुनाने के लिए अभिषेक किया है।

उसने मुझे बंदियों को आज़ादी का संदेश देने, अंधों को दृष्टि देने और सताए हुए लोगों को आज़ादी देने के लिए भेजा है, ताकि प्रभु के अनुग्रह के वर्ष का संदेश दिया जा सके। तो, क्या इस्राएल की पुनर्स्थापना, जैसा कि यशायाह ने भविष्यवाणी की थी, पूरी हुई? यशायाह 61, हमारे पास मूल पाठ है। प्रभु परमेश्वर की आत्मा मुझ पर है क्योंकि प्रभु ने मुझे गरीबों को खुशखबरी सुनाने के लिए अभिषेक किया है।

उसने मुझे इसलिए भेजा है कि टूटे मनवालों को ढांढस बंधाऊँ, बन्दियों को स्वतन्त्रता का और बन्दियों के लिये बन्दीगृह के खुलने का प्रचार करूँ, यहोवा के अनुग्रह के वर्ष और हमारे परमेश्वर के प्रतिशोध के दिन का प्रचार करूँ, सब शोक करनेवालों को सांत्वना दूँ, सिय्योन में शोक करनेवालों को राख की सन्ती सुन्दर सिर का पगड़ी दूँ, विलाप की सन्ती हर्ष का तेल लगाऊँ, और उनकी दुर्बलता की सन्ती प्रशंसा का वस्त्र ओढ़ाऊँ, कि वे धर्म के बांजवृक्ष और यहोवा के लगाए हुए कहलाएँ, कि उसकी महिमा हो। वे पुराने खण्डहरों को फिर से बनाएँगे, वे पुराने उजड़े हुए स्थानों को फिर से खड़ा करेंगे, वे उजड़े हुए नगरों की मरम्मत करेंगे, जो कई पीढ़ियों से उजड़े हुए हैं। परदेशी खड़े होकर तुम्हारे झुण्डों की रखवाली करेंगे, परदेशी तुम्हारे हल जोतनेवाले और दाख की बारी के माली होंगे, परन्तु तुम यहोवा के याजक कहलाओगे।

वे तुम्हें हमारे परमेश्वर के सेवकों के रूप में बात करेंगे; तुम राष्ट्रों की संपत्ति खाओगे, और उनकी महिमा में, तुम घमंड करोगे। अपमान के बदले, उन्हें दूना हिस्सा मिलेगा; अपमान के बदले, वे अपने भाग्य में आनन्दित होंगे; इसलिए, उनके देश में, उन्हें दूना हिस्सा मिलेगा, और उन्हें हमेशा की खुशी होगी। क्योंकि मैं, यहोवा, न्याय से प्रेम करता हूँ, मैं डकैती और अन्याय से घृणा करता हूँ, मैं ईमानदारी से उनके प्रतिफल को दूँगा, और मैं उनके साथ एक सदा की वाचा बाँधूँगा।

उनकी संतान जातियों में और उनकी सन्तान देश देश के लोगों के बीच प्रसिद्ध होगी, और जितने उनको देखेंगे वे जान लेंगे कि यहोवा ने उनको आशीष दी है, उनका वंश उनसे है। मैं यहोवा के कारण अति आनन्दित होऊँगा, मेरा मन मेरे परमेश्वर के कारण मगन होगा, क्योंकि उसने मुझे उद्धार के वस्त्र पहनाए हैं, उसने मुझे धार्मिकता की पोशाक ओढ़ा दी है, जैसे दूल्हा अपने सिर

पर सुन्दर मुकुट बाँधता है, और दुल्हन अपने गहनों से अपने आपको सजाती है। क्योंकि जैसे धरती अपने अंकुर उगाती है, और जैसे बगीचा अपने बीज को उगाता है, वैसे ही यहोवा परमेश्वर सभी जातियों के सामने धार्मिकता और स्तुति को उगाएगा।

तो, सवाल यह है कि क्या यह सब पहले ही पूरा हो चुका है, या फिर भविष्य में पुनर्स्थापना का कुछ हिस्सा अभी भी किया जाना है? प्रेरितों के काम अध्याय 3, पद 9, 19 से 21 में हम पढ़ते हैं, इसलिए पश्चाताप करो और फिर लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाए जाएं, कि प्रभु की उपस्थिति से ताज़गी के दिन आएँ, कि वह तुम्हारे लिए नियुक्त मसीह यीशु को भेजे, जिसे स्वर्ग में तब तक ग्रहण करना होगा जब तक कि सब कुछ बहाल न हो जाए जिसके बारे में परमेश्वर ने बहुत पहले अपने पवित्र भविष्यद्वक्ताओं के मुख से बात की थी। ओह , तो ऐसा लगता है कि एज्रा और नहेमायाह के समय में पुनर्स्थापना पूरी नहीं हुई थी, लेकिन मसीह के शासनकाल के दौरान किसी न किसी रूप में पुनर्स्थापना पूरी होनी चाहिए। विद्वान एनटी राइट सुझाव देते हैं कि इज़राइल की पुनर्स्थापना अभी पूरी नहीं हुई है, कि एक अर्थ में इज़राइल अभी भी निर्वासन की स्थिति में है।

इसलिए, उन्होंने तर्क दिया है कि कई यहूदियों के लिए, इस्राएल का निर्वासन समाप्त नहीं हुआ है और तब तक समाप्त नहीं होगा जब तक कि परमेश्वर अपने लोगों को छुड़ा नहीं लेता। यह रोमियों 11 26 में पॉल द्वारा लिखे गए लेख से बहुत मिलता-जुलता है, जब वह अंत में लिखता है, सारा इस्राएल बच जाएगा। इसलिए ऐसा लगता है कि अंत के समय में, मसीह के दूसरे आगमन के आसपास, यहूदियों का सामूहिक धर्मांतरण होगा जो यीशु को मसीहा के रूप में स्वीकार करेंगे।

जैसा कि हम जानते हैं कि अभी वे दिल के अंदर हैं जैसा कि पॉल ने रोमियों में लिखा है। यही बात एन.टी. राइट लिखते हैं कि हालाँकि वह बेबीलोन से वापस आ गई थी, लेकिन भविष्यवक्ताओं का शानदार संदेश अधूरा रह गया। इस्राएल अभी भी विदेशियों के चंगुल में फंसा हुआ था।

इससे भी बुरी बात यह है कि इस्राएल का परमेश्वर सिय्योन में वापस नहीं आया था। बहुत, बहुत दिलचस्प है। अब येशुआ बेन सीरा 100 ईसा पूर्व एक हेलेनिस्टिक यहूदी शास्त्री और ऋषि थे।

वह एक्लेसियास्टिकस की पुस्तक के लेखक हैं, जिसे सिराच की पुस्तक के नाम से भी जाना जाता है। उनका मानना था कि इजराइल उत्पीड़न की स्थिति में रहा, कम से कम उन लोगों के लिए जो निर्वासन की स्थिति में विदेश में बिखरे हुए थे। और यही विचार एनटी राइट भी रखते हैं।

हमारे पास मृत सागर स्क्रॉल और दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व की दूसरी बारूक की पुस्तक में निर्वासन की छवि भी है। उस समय, थोड़े समय के बाद, सिय्योन का फिर से निर्माण किया जाएगा, और प्रसाद को बहाल किया जाएगा, और पुजारी फिर से अपने मंत्रालय में लौट आएंगे, और राष्ट्र फिर से इसका सम्मान करने आएंगे, लेकिन पहले की तरह पूरी तरह से नहीं। तो, यीशु क्या भूमिका निभाता है? जब यीशु 12 शिष्यों को नियुक्त करता है तो सवाल यह है कि क्या इसका उद्देश्य इस्राएल के 12 जनजातियों के पुनर्गठन का प्रतीक है? यह एक ऐसा सवाल है जिसका कोई जवाब नहीं है।

लेकिन यीशु कहते हैं कि 12 शिष्य 12 सिंहासनों पर बैठकर इस्राएल के 12 गोत्रों का न्याय करेंगे। तो फिर, ऐसा लगता है कि भविष्यवक्ताओं की भाषा में निरंतरता है। मत्ती 19 28 यीशु कहते हैं, मैं तुमसे सच कहता हूँ कि नई दुनिया में जब मनुष्य का पुत्र अपने महिमामय सिंहासन पर बैठेगा, तो तुम जो मेरे पीछे आए हो, 12 सिंहासनों पर बैठकर इस्राएल के 12 गोत्रों का न्याय करोगे।

फिर से, बोलते हुए, ऐसा लगता है कि यहाँ न्याय की भाषा है कि पुनर्स्थापना अभी पूरी नहीं हुई है। इसलिए, एक पूरी तरह से बहाल किया गया इस्राएल उस आदर्श पूर्व-निर्वासन काल के समान होगा जब परमेश्वर इस्राएल का राजा था। इसलिए, जब हम इन चीजों के बारे में सोचते हैं, तो हमें वादों के बारे में भी सोचना चाहिए, उदाहरण के लिए, अब्राहम से किए गए क्योंकि कुछ लोग कहते हैं, ठीक है, कुछ वादे पूरे हुए, लेकिन इस्राएल को कभी भी अपनी भूमि पूरी तरह से वापस नहीं मिली, और यह केवल तब हुआ जब मसीह फिर से आया।

इसलिए , कुछ भविष्यवाणियाँ ऐसी हैं जो केवल अंतिम समय में ही पूरी होंगी। और यीशु मार्क 13 में जकर्याह की भविष्यवाणी का संकेत देते हैं। जकर्याह अध्याय 2 में, फिर से, निर्वासन के बाद के भविष्यवक्ता, पद 6 से शुरू करते हुए, एक दर्शन है, उत्तर की भूमि से भाग जाओ, यहोवा की घोषणा है क्योंकि मैंने तुम्हें चारों हवाओं के समान फैला दिया है, यहोवा की घोषणा है, हे बाबुल की बेटी के साथ रहने वाले, सिय्योन में भाग जाओ।

खैर, यह पहले बेबीलोन निर्वासन के बारे में बात नहीं कर रहा है क्योंकि यह उसके बाद लिखा गया था। क्योंकि सेनाओं के यहोवा ने इस महिमा के बाद कहा कि मुझे उन जातियों के पास भेजो जिन्होंने तुम्हें लूटा है क्योंकि जो कोई उसकी आंख की पुतली को छूता है, मैं उन पर अपना हाथ हिलाऊंगा और वे उनके सेवकों के लिए लूट बन जाएंगे, तब तुम जान लोगी कि सेनाओं के यहोवा ने मुझे भेजा है हे सिय्योन की बेटी गाओ और आनन्द मनाओ क्योंकि देखो मैं आता हूं मैं तुम्हारे बीच में निवास करूंगा, यहोवा की यह वाणी है और उस दिन बहुत सी जातियां यहोवा से मिल जाएंगी और मेरी प्रजा होंगी और मैं तुम्हारे बीच में निवास करूंगा और तुम जान लोगी कि सेनाओं के यहोवा ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है और यहोवा यहूदा और पवित्र भूमि में अपने भाग का वारिस होगा और फिर से यरूशलेम को चुनेगा। अतः यह स्पष्टतः युगान्तकारी भाषा है, और मरकुस अध्याय 13 में, यीशु मरकुस 13:24 के इसी अनुच्छेद की ओर संकेत करते हैं: परन्तु उस क्लेश के बाद उन दिनों में सूर्य अन्धियारा हो जाएगा, और चन्द्रमा अपना प्रकाश न देगा, और तारे आकाश से गिरने लगेंगे, और आकाश की शक्तियां हिलाई जाएंगी, और वे मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ्य और ऐश्वर्य के साथ बादलों पर आते देखेंगे, और तब वह स्वर्गदूतों को भेजकर पृथ्वी की छोर से लेकर आकाश की छोर तक चारों दिशाओं से अपने चुने हुए लोगों को इकट्ठा करेगा - यह भाषा फिर से जकर्याह द्वारा प्रयोग की गई है।

इसलिए, यीशु ने अपने संदेश और सेवकाई को इस्राएल के निर्वासन के अंत की शुरुआत के रूप में समझा; हालाँकि, जब तक मसीह फिर से नहीं आएगा, तब तक पूर्ण बहाली नहीं होगी। इसलिए, एक अर्थ में एक तत्काल ऐतिहासिक पूर्ति है। जब मसीह यहाँ था, तब मसीह की पूर्ति हुई थी, लेकिन जब मसीह फिर से आएगा, तब अंतिम पूर्ति होगी।

यह डॉ. टिबेरियस रत्ता द्वारा पुराने नियम के धर्मशास्त्र पर दिया गया उपदेश है। यह सत्र 7 है, पुनर्स्थापक के रूप में परमेश्वर।